हिन्दुस्तान

'स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने को शोध जरूरी

ऋषिकेश, संवाददाता। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मंगलवार एम्स ऋषिकेश में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पहले दिन पब्लिक हेल्थ से संबंधित कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें ग्रुप डिस्कशन के कई सत्र भी हुए।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने कहा कि एम्स में हो रहा साक्ष्य-आधारित अनुसंधान क्षेत्रीय ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने एम्स ऋषिकेश को 'वन हेल्थ' के क्षेत्र में विकसित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

उन्होंने कहा कि चिकित्सा, पशु चिकित्सा और पर्यावरण विज्ञान जैसे क्षेत्रों के समन्वित प्रयासों से ही समग्र स्वास्थ्य सुनिश्चित किया जा सकता है। विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनीला गर्ग ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में उपलब्ध 12 सेवा पैकेजों की भूमिका को विस्तार से समझाया और कहा कि सामुदायिक भागीदारी तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के समन्वय से ही स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार संभव है। डीन एकेडमिक प्रो. सौरभ वाष्णेय और चिकित्सा अधीक्षक प्रो. बी सत्या श्री ने 'वन हेल्थ' की अवधारणा और स्वास्थ्य चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

एम्स ऋषिकेश में मंगलवार को पब्लिक हेल्थ से संबंधित दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ करतीं एम्स ऋषिकेश की निदेशक प्रो. मीनू सिंह। • हिन्दुस्तान

प्रधान टाइम्स

एम्स ऋषिकेश वन हेल्थ के क्षेत्र में विकसित होगा : प्रोफेसर मीनू सिंह

ऋषिकेश। विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में एम्स ऋषिकेश में कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। दो दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन पब्लिक हेल्थ से सम्बन्धित विभिन्न कार्यशालाओं के अयोजन के साथ ही ग्रुप डिसकशन के विभिन्न सत्र भी आयोजित हुए मंगलवार को कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने एम्स ऋषिकेश को वन हेल्थ के क्षेत्र में एक अग्रणी केंद्र के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता दोहरायी। उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा किया जा रहा साक्ष्य-आधारित अनुसंधान न केवल क्षेत्रीय बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण में सहायक सिद्ध हो रहा है। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर इस वर्ष की थीम ट्रूगेदर फॉर हेल्थ की अवधारणा को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि चिकित्सा, पशु चिकित्सा एवं पर्यावरण विज्ञान आदि विभिन्न क्षेत्रों के समन्वित प्रयासों से ही समग्र स्वास्थ्य सुनिश्चित किया जा सकता है विशिष्ट अतिथि नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंस दिल्ली की प्रो. डॉ. सुनीला गर्ग ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में उपलब्ध 12 सेवा पैकेजों की भूमिका को विस्तार से समझाया और रेखांकित किया कि सामुदायिक भागीदारी एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के समन्वय से ही स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच एव गुणवत्ता में सुधार संभव है। कार्यक्रम को संस्थान के डीन एकेडमिक प्रो. सौरभ वार्ष्णेय और चिकित्सा अधीक्षक प्रो. बी. सत्या श्री ने भी संबोधित किया। उन्होंने वन हेल्थ की अवधारणा, समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण एवं वर्तमान स्वास्थ्य चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे प्रयास स्वास्थ्य प्रणाली को अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाते हैं कॉम्युनिटी मेडिसिन की विभागाध्यक्ष प्रो. चर्तिका सक्सैना ने आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और कहा कि मानव, पशु एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य के एकीकृत दृष्टिकोण को सुदृढ़ करना और वैज्ञानिक साक्ष्यों पर आधारित जनस्वास्थ्य रणनीतियों को बढ़ावा देना विश्व स्वास्थ्य दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि विभिन्न वयस्क टीकाकरण (एडल्ट वैक्सीनेशन) को बढ़ावा देने हेतु व्यापक अनुसंधान एवं जनजागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। पब्लिक हेल्थ एक्टिविटीज कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा जनस्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं, रोग निगरानी, वैक्सीकरण, एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (ए.एम.आर), स्वच्छता, एवं जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण, केस स्टडी आधारित शिक्षण एवं समूह गतिविधियों के माध्यम से समकालीन जनस्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के उपायों से अवगत कराया गया। इस दौरान डीन रिसर्च प्रो. शैलेन्द्र हाडू, डीडीए ले. कर्नल गोपाल मेहरा, नेत्र रोग विभाग के हेड प्रो. संजीव मित्तल, मेडिसिन विभाग के हेड प्रो. रविकांत, डॉ. सुरेखा किशोर, डॉ. रंजीता कुमारी, डॉ. प्रदीप अग्रवाल, डॉ. स्मिता सिन्हा, डॉ. संतोष कुमार, डॉ मीनाक्षी खापरे, डॉ. महेंद्र सिंह, डॉ. अजीत भदौरिया, डॉ. वेला गोयल, डॉ. पूजा भदौरिया, डॉ. बसव राज, डॉ. गर्ग, डॉ. अश्वनी सेठ, डॉ. जोएन, डॉ. अनुभूति एवं डॉ. मालविका सहित एमडी एवं एमपीएच के स्टूडेन्ट्स मौजूद रहे।

अमर उजाला

स्वास्थ्य दिवसः एम्स में गूंजा सेहत का संदेश

कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की ओर से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

ऋषिकेश। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एम्स के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की ओर से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान लोगों को सेहत के संदेश दिए गए।

इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम स्वास्थ्य के लिए एकजुट विज्ञान के साथ खड़े रहें हैं। वक्ताओं ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य दिवस केवल एक दिन नहीं बल्कि पूरी दुनिया को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का एक वैश्विक अभियान है। मंगलवार को कार्यक्रम का उद्घाटन एम्स निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने किया। विशिष्ट अतिथि नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंस दिल्ली की प्रो. डॉ. सुनीला गर्ग ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में उपलब्ध 12 सेवा पैकेजों की भूमिका को विस्तार से समझाया। कहा कि सामुदायिक भागीदारी एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के समन्वय से ही स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच एवं गुणवत्ता में सुधार संभव है।

डीन एकेडमिक प्रो. सौरभ वार्ष्णेय और चिकित्सा अधीक्षक प्रो. बी. सत्या श्री ने भी वन हेल्थ की अवधारणा, समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण एवं वर्तमान स्वास्थ्य चुनौतियों पर चर्चा की। कम्युनिटी मेडिसिन की विभागाध्यक्ष प्रो. वर्तिका सक्सैना ने आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और कहा कि मानव, पशु एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य के एकीकृत दृष्टिकोण को सुदृढ़ करना और वैज्ञानिक साक्ष्यों पर आधारित जनस्वास्थ्य रणनीतियों को बढ़ावा देना विश्व स्वास्थ्य दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य है।

दो दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन पब्लिक हेल्थ से संबंधित विभिन्न कार्यशालाओं के आयोजन के साथ ही समूह चर्चा के विभिन्न सत्र भी आयोजित हुए। डीन रिसर्च प्रो. शैलेंद्र हांडू, मेडिसिन विभाग के हेड प्रो. रविकांत, डॉ. सुरेखा किशोर, डॉ. रंजीता कुमारी, डॉ. प्रदीप अग्रवाल आदि मौजूद रहे। संवाद

कार्निवल में गढ़वाली, नेपाली और तिब्बती व्यंजन बनाए

जौलीग्रांट। हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर डाइटीटिक्स विभाग द्वारा विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। क्यूलिनरी कार्निवल के तहत प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार कर अपने व्यंजनों के पोषण संबंधी लाभ की जानकारी दी। आयोजित प्रतियोगिता में कुल 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें नर्सिंग छात्रा महक पुंडीर ने तिब्बती व्यंजन बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिमा पाल ने नेपाली व्यंजन के साथ द्वितीय स्थान और वंदना कुमारी ने गढ़वाली व्यंजन के लिए तृतीय स्थान प्राप्त किया। संवाद

नवोदय टाइम्स

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के पैकेजों को समझाया

श्यामपुर, 7 अप्रैल (नवोदय टाइम्स) : विश्व स्वास्थ्य दिवस पर एम्स ऋषिकेश में कॉम्युनिटी मेडिसिन विभाग के तत्वावधान में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। दो दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन पब्लिक हेल्थ से संबंधित कई कार्यशालाओं के आयोजन के साथ ही ग्रुप डिस्कसन के कई सत्र भी आयोजित हुए।

मंगलवार को कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने एम्स को वन हेल्थ के क्षेत्र में अग्रणी केंद्र के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। कहा, संस्थान द्वारा किया जा रहा साक्ष्य-आधारित अनुसंधान न केवल क्षेत्रीय, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण में सहायक सिद्ध हो रहा है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर इस वर्ष की थीम टुगेदर फॉर हेल्थ की अवधारणा को रेखांकित करते हुए कहा, चिकित्सा, पशु चिकित्सा एवं पर्यावरण विज्ञान आदि कई क्षेत्रों के समन्वित प्रयासों से ही समग्र स्वास्थ्य सुनिश्चित किया जा सकता है। नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंस दिल्ली की प्रो. डॉ. सुनीला गर्ग ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को मजबूत करने की जरूरत पर बल दिया।

उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में मुहैया 12 सेवा पैकेजों की भूमिका को विस्तार से समझाया और रेखांकित किया कि सामुदायिक भागीदारी एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के समन्वय से ही स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच एवं गुणवत्ता में सुधार संभव है। डीन एकेडमिक प्रो. सौरभ वार्ष्णेय और चिकित्सा अधीक्षक प्रो. बी. सत्या श्री ने भी संबोधित किया।

उन्होंने वन हेल्थ की अवधारणा, समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण एवं वर्तमान स्वास्थ्य चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा, ऐसे प्रयास स्वास्थ्य प्रणाली को अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाते हैं। कम्युनिटी मेडिसिन की विभागाध्यक्ष प्रो. वर्तिका सक्सैना ने कहा, मानव, पशु एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य के एकीकृत दृष्टिकोण को सुदृढ़ करना और वैज्ञानिक साक्ष्यों पर आधारित जनस्वास्थ्य रणनीतियों को बढ़ावा देना विश्व स्वास्थ्य दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। बताया, विभाग वयस्क टीकाकरण (एडल्ट वैक्सीनेशन) को बढ़ावा देने हेतु व्यापक अनुसंधान एवं जनजागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा जनस्वास्थ्य के कई फलुओं, रोग निगरानी, टीकाकरण, एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर), स्वच्छता, एवं जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर विस्तृत चर्चा की गई।

ये रहे मौजूद

डीन रिसर्च प्रो. शैलेंद्र हांडू, डीडीए ले. कर्नल गोपाल मेहरा, नेत्र रोग विभाग के हेड प्रो. संजीव मित्तल, मेडिसिन विभाग के हेड प्रो. रविकांत, डॉ. सुरेखा किशोर, डॉ. रंजीता कुमारी, डॉ. प्रदीप अग्रवाल, डॉ. स्मिता सिन्हा, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. मीनाक्षी खापरे, डॉ. महेंद्र सिंह, डॉ. अजीत भदौरिया, डॉ. बेला गोयल, डॉ. पूजा भदौरिया, डॉ. बसव राज, डॉ. गर्गी, डॉ. अश्वनी सेठ, डॉ. जोएन, डॉ. अनुभूति एवं डॉ. मालविका समेत एमडी एवं एमपीएच के स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

दैनिक जागरण

समग्र स्वास्थ्य को समन्वित प्रयास किए जाने आवश्यक

ऋषिकेश: विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एम्स ऋषिकेश में कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस कार्यक्रम के पहले दिन पब्लिक हेल्थ से संबंधित कार्यशालाओं और ग्रुप डिस्कशन के सत्रों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने कहा कि संस्थान द्वारा किया जा रहा साक्ष्य-आधारित अनुसंधान न केवल क्षेत्रीय बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण में सहायक सिद्ध हो रहा है।